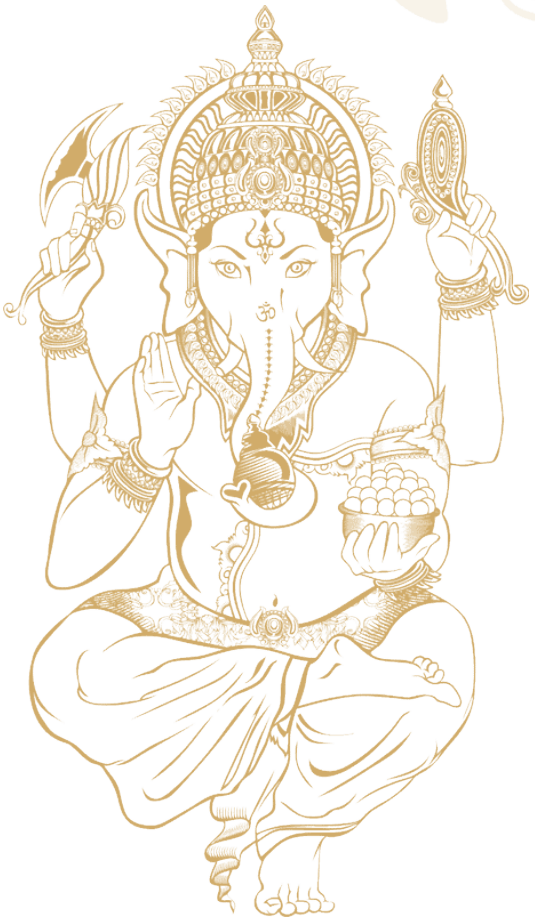

Mr. C d ahuja kota

14 Jul 1984

11:04 AM

Kota

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119286002

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
14/07/1984	जन्म तिथि	**14/07/2025**
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:04:55	जन्म समय	23:11:51 घंटे
घटी 14:27:54	जन्म समय(घटी)	44:45:09 घटी
India	देश	India
Kota	स्थान	Kota
उत्तर 24:27:00	अक्षांश	24:27:00 उत्तर
पूर्व 83:08:00	रेखांश	83:08:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:32	स्थानिक संस्कार	00:02:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:17:45	सूर्योदय	05:17:47
18:48:36	सूर्यास्त	18:48:34
23:38:13	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:53

कन्या	लग्न	मीन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
श्रवण	नक्षत्र	शतभिषा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	सौभाग्य
तैतिल	करण	बालव
खी-खिलावन	जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	अश्व
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मेष
41	गत/तत्कालिक वर्ष	42

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
हस्त	2	14:40:26	कन्या		लग्न		मीन	21:13:03	2	रेवती
पुनर्वसु	3	28:19:03	मिथु		सूर्य		मिथु	28:19:03	3	पुनर्वसु
श्रवण	1	11:31:07	मक		चंद्र		कुंभ	15:53:46	3	शतभिषा
विशाखा	1	21:47:37	तुला		मंगल		सिंह	21:37:28	3	पू०फाल्गुनी
आश्लेषा	1	19:19:39	कर्क		बुध		कर्क	20:52:57	2	आश्लेषा
मूल	4	12:37:00	धनु	व	गुरु		मिथु	13:42:30	3	आर्द्रा
पुष्य	1	06:06:38	कर्क		शुक्र		वृष	17:01:40	3	रोहिणी
स्वाति	3	16:03:53	तुला		शनि	व	मीन	07:43:03	2	उ०भाद्रपद
रोहिणी	1	12:04:42	वृष	व	राहु	व	कुंभ	25:33:04	2	पू०भाद्रपद
अनुराधा	3	12:04:42	वृश्चि	व	केतु	व	सिंह	25:33:04	4	पू०फाल्गुनी
अनुराधा	4	16:23:23	वृश्चि	व	मु		कुंभ	14:40:26	3	शतभिषा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:53

लग्न-चलित

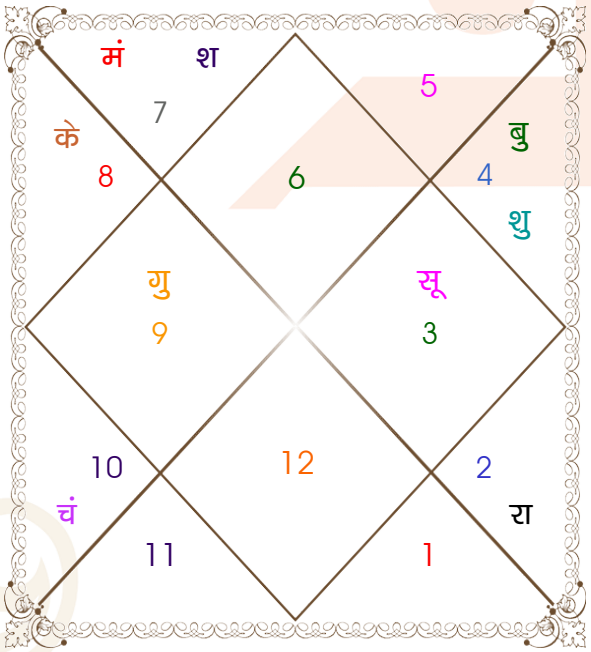

वर्ष लग्न कुंडली

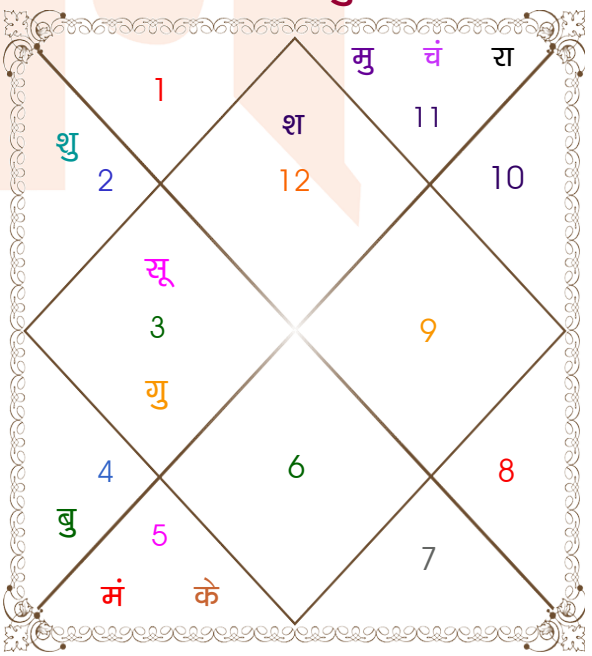

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - केतु - चंद्र	
02/08/2025 08:44	
30/08/2025 18:32	
चंद्र	04/08/2025 17:33
मंगल	06/08/2025 09:20
राहु	10/08/2025 15:36
गुरु	14/08/2025 10:30
शनि	18/08/2025 22:27
बुध	22/08/2025 23:03
केतु	24/08/2025 14:49
शुक्र	29/08/2025 08:27
सूर्य	30/08/2025 18:32

गुरु - केतु - मंगल	
30/08/2025 18:32	
19/09/2025 15:48	
मंगल	31/08/2025 22:23
राहु	03/09/2025 21:58
गुरु	06/09/2025 13:36
शनि	09/09/2025 17:10
बुध	12/09/2025 12:47
केतु	13/09/2025 16:37
शुक्र	17/09/2025 00:10
सूर्य	18/09/2025 00:02
चंद्र	19/09/2025 15:48

गुरु - केतु - राहु	
19/09/2025 15:48	
09/11/2025 19:02	
राहु	27/09/2025 07:53
गुरु	04/10/2025 03:31
शनि	12/10/2025 05:50
बुध	19/10/2025 11:41
केतु	22/10/2025 11:17
शुक्र	30/10/2025 23:49
सूर्य	02/11/2025 13:11
चंद्र	06/11/2025 19:27
मंगल	09/11/2025 19:02

गुरु - केतु - गुरु	
09/11/2025 19:02	
25/12/2025 05:55	
गुरु	15/11/2025 20:30
शनि	23/11/2025 01:13
बुध	29/11/2025 11:45
केतु	02/12/2025 03:23
शुक्र	09/12/2025 17:12
सूर्य	11/12/2025 23:45
चंद्र	15/12/2025 18:39
मंगल	18/12/2025 10:17
राहु	25/12/2025 05:55

गुरु - केतु - शनि	
25/12/2025 05:55	
17/02/2026 05:20	
शनि	02/01/2026 19:02
बुध	10/01/2026 10:33
केतु	13/01/2026 14:07
शुक्र	22/01/2026 14:01
सूर्य	25/01/2026 06:47
चंद्र	29/01/2026 18:44
मंगल	01/02/2026 22:18
राहु	10/02/2026 00:37
गुरु	17/02/2026 05:20

गुरु - केतु - बुध	
17/02/2026 05:20	
06/04/2026 12:24	
बुध	24/02/2026 01:33
केतु	26/02/2026 21:09
शुक्र	06/03/2026 22:20
सूर्य	09/03/2026 08:17
चंद्र	13/03/2026 08:52
मंगल	16/03/2026 04:29
राहु	23/03/2026 10:21
गुरु	29/03/2026 20:53
शनि	06/04/2026 12:24

गुरु - शुक्र - शुक्र	
06/04/2026 12:24	
15/09/2026 20:24	
शुक्र	03/05/2026 13:44
सूर्य	11/05/2026 16:32
चंद्र	25/05/2026 05:12
मंगल	03/06/2026 16:28
राहु	28/06/2026 00:52
गुरु	19/07/2026 16:20
शनि	14/08/2026 09:12
बुध	06/09/2026 09:08
केतु	15/09/2026 20:24

गुरु - शुक्र - सूर्य	
15/09/2026 20:24	
03/11/2026 13:12	
सूर्य	18/09/2026 06:50
चंद्र	22/09/2026 08:14
मंगल	25/09/2026 04:25
राहु	02/10/2026 11:44
गुरु	08/10/2026 23:35
शनि	16/10/2026 16:38
बुध	23/10/2026 14:13
केतु	26/10/2026 10:24
शुक्र	03/11/2026 13:12

गुरु - शुक्र - चंद्र	
03/11/2026 13:12	
23/01/2027 17:12	
चंद्र	10/11/2026 07:32
मंगल	15/11/2026 01:10
राहु	27/11/2026 05:22
गुरु	08/12/2026 01:06
शनि	20/12/2026 21:32
बुध	01/01/2027 09:30
केतु	06/01/2027 03:08
शुक्र	19/01/2027 15:48
सूर्य	23/01/2027 17:12

गुरु - शुक्र - मंगल	
23/01/2027 17:12	
21/03/2027 12:48	
मंगल	27/01/2027 00:45
राहु	04/02/2027 13:17
गुरु	12/02/2027 03:06
शनि	21/02/2027 03:00
बुध	01/03/2027 04:11
केतु	04/03/2027 11:43
शुक्र	13/03/2027 22:59
सूर्य	16/03/2027 19:10
चंद्र	21/03/2027 12:48

गुरु - शुक्र - राहु	
21/03/2027 12:48	
14/08/2027 15:12	
राहु	12/04/2027 10:46
गुरु	01/05/2027 22:17
शनि	25/05/2027 01:28
बुध	14/06/2027 18:12
केतु	23/06/2027 06:44
शुक्र	17/07/2027 15:08
सूर्य	24/07/2027 22:28
चंद्र	06/08/2027 02:40
मंगल	14/08/2027 15:12

गुरु - शुक्र - गुरु	
14/08/2027 15:12	
22/12/2027 12:00	
गुरु	31/08/2027 22:46
शनि	21/09/2027 12:16
बुध	09/10/2027 21:49
केतु	17/10/2027 11:38
शुक्र	08/11/2027 03:06
सूर्य	14/11/2027 14:56
चंद्र	25/11/2027 10:40
मंगल	03/12/2027 00:29
राहु	22/12/2027 12:00

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।